पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-जी-3-डी.एल. (एन.)/084/2021-23 प्रकाशित 16.05.2023 इस अंक का मूल्य 2 रूपये

॥ ओ३म् ॥

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-*110007*, चलभाष : 9810117464, 9868051444

युवा उद्घोष पत्रिका

के नियमित सफल प्रकाशन के

40 वर्ष पूर्ण होने पर

आप सबको

हार्दिक बधाई!

–अनिल आर्य, सम्पादक

वर्ष-39 अंक-24 ज्येष्ठ-2080 दयानन्दाब्द 200 16 मई से 31 मई 2023 (द्वितीय अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.

प्रकाशित: 16.05.2023, E-mail : yuva.udghosh1982@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

वैदिक साधन आश्रम तपोवन देहरादून का ग्रीष्मोत्सव सौल्लास सम्पन्न

वेद प्राचीन वैज्ञानिक ज्ञान है – डॉ. रूप किशोर शास्त्री (कुलपति, गुरुकुल कांगडी विश्वविद्यालय)

युवाओ को अपनी संस्कृति से जोड़े– राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

देहरादून, रविवार 14 मई 2023, आर्यों के तीर्थ स्थल वैदिक साधन आश्रम देहरादून का ग्रीष्मकालीन उत्सव 10 मई से 14 मई तक हर्षोल्लास से सम्पन्न हुआ। उत्तराखंड के अतिरिक्त उत्तर प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा, पंजाब आदि से श्रद्धालू जन भारी संख्या में सम्मिलित हुए। आचार्य सोमदेव शास्त्री महायज्ञ के ब्रह्मा रहे, उन्होंने महाभारत का कथानक सुनाते हुए कहा कि युधिष्ठिर ने भीष्म पितामह से पूछा कि आर्य किसे कहते हैं? भीष्म पितामह ने कहा की ज्ञानी, जोड़ने वाला,संतुष्ट,सत्यवादी, जितेंद्रीय, संवेदनशील संवाद, दयालु,कोमल स्वभाव वाले व्यक्ति को आर्य कहते हैं।यही व्यक्ति जोड़ने वाला हो जाता है। सुप्रसिद्ध

(शेष पृष्ठ 4 पर)

वैदिक विद्वान स्वामी दीक्षानन्द जी का 20वां स्मृति दिवस सम्पन्न

यज्ञ व वेदों के प्रचारक रहे स्वामी दीक्षानन्द– राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

सोमवार 15 मई 2023, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में वेदों के प्रकांड विद्वान स्वामी दीक्षानंद जी सरस्वती का 20 वाँ स्मृति दिवस ऑनलाइन मनाया गया। उल्लेखनीय है कि आर्य समाज के दिग्गज विद्वान साहिबाबाद स्थित समर्पण शोध संस्थान के संस्थापक रहे व वैदिक साहित्य का प्रकाशन किया। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि स्वामी दीक्षानंद जी धीर, गम्भीर, सौम्य व वैदिक सिद्धान्तों के मनीषी थे, उनके 20 वें स्मृति दिवस पर उन्हें याद करने का अर्थ है कि हम उनके बताये रास्ते का अनुसरण करें। आज वेदों के रास्ते पर चलकर ही विश्व में शान्ति स्थापित हो सकती है। स्वामी दीक्षा नंद जी का अद्भूत व्यक्तित्व था उन्होंने सारा जीवन वेद प्रचार मे लगाया। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उन्हें वेदों का महान प्रसारक बताया। आर्य जगत में बड़े बड़े बहुकुण्डिय यज्ञों की शुरुआत स्वामी दीक्षानंद जी ने ही कि थी। उनका सम्पूर्ण जीवन समाज व राष्ट्र को लंबे समय तक मार्ग प्रशस्त करता रहेगा,आर्य युवाओं को उनसे विशेष प्रेरणा लेनी चाहिए। वैदिक प्रवक्ता अनिता रेलन व योगाचार्य श्रुति सेतिया ने कहा कि स्वामी दीक्षानंद जी ने अपना पूरा जीवन यज्ञ, महर्षि दयानंद व वेदों के प्रचार के लिए समर्पित कर दिया।उनका विराट सौम्य व्यक्तित्व पहली बार में ही सबको अपना बना लेता था। आर्य नेत्री रजनी चुघ ने कहा कि स्वामी जी के निराले व्यक्तित्व से सभी प्रभावित हो जाते थे। गायिका प्रवीना ठक्कर, सरला बजाज, ईश्वर देवी, रजनी गर्ग, प्रतिभा खुराना , जनक अरोड़ा, कौशल्या अरोड़ा,कमला हंस, सुनीता आहूजा आदि के मधुर भजन हुए।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् द्वारा कोरोना काल में भी 535वां वेबिनार सम्पन्न

'माइक्रोवेव से पकाने के लाभ व हानि' विषय पर गोष्ठी सम्पन्न

सोमवार 08 मई 2023,केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में माइक्रोवेव से पकाने के लाभ व हानि विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया।यह कोरोना काल से 533 वाँ वेबिनार था। मुख्य वक्ता प्रो. करुणा चांदना ने कहा कि माइक्रोवेव के काफ़ी लाभ है इससे समय की बचत होती है और गुणवत्ता भी कम नहीं होती।उन्होंने कहा कि माइक्रोवेव सभी रसोईयों में पाए जाने वाला महत्वपूर्ण उपकरण बन गया है इसमें कोई शक नहीं कि इसने कामकाजी महिला की जिंदगी को अत्यंत आसान बना दिया है माइक्रोवेव में जब जब भोजन को पकाने के लिए रखते हैं तो इलेक्ट्रिसिटी माइक्रोवेव्स में बदल जाती है जिससे भोजन केअणु एक दूसरे से टकराने लगते हैं।अब उर्जा हीट में बदल जाती है,यही हीट खाने को पका देती है।माइक्रोवेव पर हुई शोध के अनुसार माइक्रोवेव की रेडिएशन हार्मफुल नहीं है क्योंकि यह लो फ्रिकवेंसी की होती है दूसरा यह सुरक्षित वेवलेंथ सीमा के अंदर होती हैं। जिससे सेल्स को तथा डीएनए को कोई नुकसान नहीं होता।इसके लाभ यह है कि माइक्रोवेव में खाना जल्दी बनता है इसलिए इससे समय की बचत होती है यह जगह भी कम घेरता है।माइक्रोवेव इकोनॉमिकल तथा एनर्जी बचाने वाला उपकरण है।ँभ्द के अनुसार इसमें भोजन पकाने में खुशबू स्वाद तथा पौष्टिक तत्व बने रहते हैं जबकि दूसरी पारंपरिक विधियों में विटामिन सी पकाने में काफी हद तक नष्ट हो जाता है इसलिए हेल्थ कॉन्शियस लोगों के लिए यह बहुत वरदान है और मजे की बात है कि इसमें आप पापड़, चिप्स,टिक्की आदि बहुत कम घी तेल में मिनटों में पका सकते हैं। खाना जल्दी पकने के कारण भोजन से होने वाले रोगों की संभावना कम हो जाती है जिससे आप विषाक्तता से बच जाते हैं। क्योंकि माइक्रोवेव में टाइमर लगे होने के कारण इसमें खाना ना तो कच्चा रहता है और ना ही जरूरत से ज्यादा पकता है दूसरा हिलाने का झंझट खत्म हो जाता है इतनी देर में ग्रहणी कोई अन्य काम कर सकती है तथा पकने पर उसमें से खाना बाहर निकाल सकती है। यह सफाई करने में भी आसान है तथा खाने को गर्म करना इसमें बहुत आसान है खास करके सर्दियों में जब लड्डू,पिन्नी,गुलाब जामुन,गाजर हलवे में घी जम जाता है तब यह उन्हें जल्दी से गर्म करके ग्रहणी का काम आसान कर देता है।इसका सबसे बड़ा फायदा है कि इस के दरवाजे में मेटल शिल्ड तथा मेटल स्क्रीन लगी होती है,जिससे रेडिएशंस बाहर नहीं आ सकती।इसके लाभ के साथ हानियां भी जुड़ी हुई हैं माइक्रोवेव में खाना गरम करने के लिए सिर्फ आप चीनी कांच के बर्तन इस्तेमाल कर सकते हैं बाकी चमकते हुए बर्तन धातुएं तथा प्लास्टिक कंटेनर वर्जित है धातुओं में खाना पकाने से चिंगारी आने का डर होता है तथा प्लास्टिक में खाना बनाने से प्लास्टिक तथा भोजन के बीच में रसायनिक क्रियाएं शुरू हो जाती हैं जोकि स्वास्थ्य के लिए जोखिम का कारण बन सकती हैं।इसमें आप चपाती तथा डीप फ्राइंग कुकिंग नहीं कर सकते क्योंकि इसमें खाने को भूरा करने तथा खस्ता करने की क्षमता नहीं है, इसमें खाने को लंबे समय तक पकाने से खाने की आद्रता कम हो जाती है और समोसा,पकोड़ा आदि आप इसमें नहीं गर्म कर सकते क्योंकि वह सोगी हो जाते हैं।टाइम टू टाइम आप इसको चेक करते रहिए कि इसमें कोई खराबी तो नहीं आ गई या इसका दरवाजा पूरी तरह से बंद हो रहा है,बंद ना होने के कारण इससे रेडिएशन बाहर जाने का खतरा बढ़ जाता है।ध्यान रखें जब भी आप इसमें खाना गर्म करें खाने को पूरा मुंह तक ना भरे ऐसा करने से एक तो खाना कच्चा रहेगा और दूसरा खाने गिरने का छींटे पड़ने का खतरा बना रहेगा। हमको भोजन को बाहर निकालते हुए दस्तानों का अवश्य प्रयोग करना चाहिए नहीं तो गरम भाप हाथ को जला सकती है।कभी भी एयरटाइट ढक्कन वाले बर्तनों में खाना ना पकाएं ऐसा करने से बर्तन के अंदर भाप का प्रेशर बढ़ जाता है जिससे बर्तन के फटने का भय बना रहता है अंत में यही कहना चाहूंगी कि अगर माइक्रोवेव में कम समय में पकाया जाए तथा गरम करने के लिए प्रयोग किया जाए और सावधानियां बढ़ती जाए तो निश्चित रूप से यह बहुत लाभकारी सिद्ध हो सकता है। मुख्य अतिथि अंजू खरबंदा व कुसुम भंडारी ने भी अपने विचार रखे।केंद्रीय आर्य युवक परिषद के अध्यक्ष अनिल आर्य ने संचालन किया।राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

माता विमला गुप्ता व श्री अमर नाथ बत्रा का अभिनन्दन

हरिद्वार, शुक्रवार 12 मई 2023, यज्ञ प्रेमी माता विमला गुप्ता के 96 वे जन्मदिन पर अभिनंदन करते अनिल आर्य, पिंकी आर्य, रमेश गुप्ता आदि। हार्दिक शुभकामनायें। आर्य समाज सुन्दर विहार का उत्सव संपन्न आर्य समाज सुन्दर विहार दिल्ली के वार्षिकोत्सव में कर्मठ मंत्री श्री अमरनाथ बत्रा का अभिनंदन करते अनिल आर्य, यशपाल आर्य, योगेश मल्होत्रा, चन्द्र मोहन खन्ना व वीरेन्द्र सरदाना।

जींद में योग शिविर व वैसाखी उत्सव सम्पन्न

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद जिला जींद हरियाणा के तत्वावधान में गुरुकुल विद्या पीठ गोहाना रोड में 1 मई से 6 मई 2023 तक श्री सूर्य देव आर्य के नेतृत्व में संपन्न हुआ। विद्या सागर शास्त्री, वीरेन्द्र आर्य आदि ने शिक्षण प्रदान किया। श्री राजेश गोस्वामी भी उपस्थित थे। द्वितीय चित्र में क्लब पंजाबिया दा की और से भव्य उत्सव आयोजित किया गया परिषद अध्यक्ष अनिल आर्य मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। प्रधान राम कुमार बरार, राजू कोहली, मनोज दुआ की पूरी टीम को हार्दिक बधाई।

'ईश्वर स्तुति क्यों और कैसे' पर गोष्ठी सम्पन्न

बुधवार 10 मई 2023, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 'ईश्वर स्तुति क्यों और कैसे' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह करोना काल से 534 वाँ वेबिनार था। वैदिक प्रवक्ता डॉ. नरेंद्र आहूजा विवेक ने कहा कि ईश्वर स्तुति करने से उसके गुण आपके भीतर आते हैं। यदी ईश्वर के गुणों को समाहित करना चाहते हों तो श्राद्ध भाव से उसका ध्यान करो। उन्होंने कहा की देव दयानन्द ने आर्य उद्देश्य रत्न माला में इनकी यौगिक परिभाषा देकर सभी भ्रान्तियों को दूर कर दिया है। स्तुति ईश्वर या अन्य किसी भी पदार्थ या व्यक्ति का जैसा गुण कर्म स्वभाव हो वैसा जानना मानना कहना और जिन गुणों को धारण कर सकते हैं उन्हें धारण करना। जैसे ईश्वर न्यायकर्ता हैं हम भी जीवन में सभी से न्याय पूर्वक व्यवहार किया करें। ईश्वर दयालु हैं क्या हम अन्य प्राणियों व्यक्तियों पर दया करते हैं। साथ ही उन्होंने पूछा ईश्वर पालन कर्ता हैं हमने जीवन में कितने निर्बल धर्मात्माओं का पालन किया। स्तुति से मन में आद्रता तरलता, गुणों की ग्राहयता, अहंकार अभिमान के भाव का खत्म होना और उन गुणों को धारण कर पाना स्तुति के मनुष्यों को होने वाले लाभ हैं। प्रार्थना की परिभाषा देते हुए अपने पूर्ण पुरुषार्थ के उपरान्त किसी भी सामाजिक सर्वहितकारी यज्ञ परोपकार के कार्य में सफलता के लिए ईश्वर से कामना याचना करना प्रार्थना कहलाता हैं। उपासना में अपने उपास्य आनन्द स्वरूप परमात्मा के आनन्द में निमग्न होकर अपनी आत्मा का आनन्द प्राप्त करना उपासना कहलाता हैं। मुख्य अतिथि आर्य नेत्री रजनी गर्ग व अध्यक्ष राज श्री यादव ने भीतरी ईश्वर के स्वरूप पर प्रकाश डाला। केंद्रीय आर्य युवक परिषद के अध्यक्ष अनिल आर्य ने कुशल संचालन किया व राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

नोएडा में आर्य कार्यकर्ता बैठक सम्पन्न

नोएडा, रविवार 7 मई 2023, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद की आर्य कार्यकर्ता बैठक आर्य समाज सेक्टर 33,नोएडा में सोल्लास संम्पन्न हुई। बैठक में निश्चय हुआ कि आगामी ग्रीष्मावकाश में युवा पीढ़ी को मातृ–पितृ भक्त,ईश्वर भक्त व देश भक्त निर्माण करने का अभियान चलाया जाएगा। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि आज चरित्रवान, संस्कारित,सुसंस्कृत युवाओं का निर्माण करना हमारी प्राथमिकता रहेगी।आज वृद्धाश्रम खुल रहे हैं यह चिंता का प्रश्न है कि नई पीढ़ी में माँ बाप की सेवा भावना में कमी आयी है।उन्होंने विशाल आर्य युवा चरित्र निर्माण शिविर 3 जून से 11 जून 2023 तक एमिटी इंटरनेशनल स्कूल सेक्टर 44, नोएडा आयोजित करने की जानकारी दी।शिविर में 12 वर्ष से 18 वर्ष तक के युवक लिए जायेंगे उन्हें योगासन,दंड बैठक,लाठी, जुडो कराटे,बॉक्सिंग व आत्म रक्षा शिक्षण दिया जायेगा व वैदिक संस्कृति की जानकारी दी जायेगी।शिक्षाविद डा. अमिता चौहान वा डा. अशोक कुमार चौहान के सानिध्य में यह शिविर चलेगा।इसके साथ योगसाधना शिविर भी चलेगा।इसके साथ ही देश के विभिन्न स्थानों पर भी शिविर लगेंगे व युवा संस्कार अभियान चलाया जाएगा। वैदिक विद्वान डॉ. जयेन्द्र आचार्य ने हर सम्भव सहयोग का आश्वासन दिया।बैठक का कुशल संचालन आर्य नेत्री गायत्री मीना ने किया। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए गाजियाबाद से 20 युवक व ध्यान योग साधक भेजने की घोषणा की। प्रमुख रूप से कप्तान अशोक गुलाटी, ब्रिगेडियर महापात्र, अजेंडर शास्त्री,अंकुर आर्य आदि उपस्थित थे।

सादर निमंत्रण सादर निमंत्रण

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में

विशाल आर्य युवक चरित्र निर्माण शिविर

एमिटी इंटरनेशनल स्कूल, सेक्टर 44, नोएडा

भव्य उद्घाटन समारोहः—

शनिवार 3 जून 2023

शाम 5.00 बजे से

रात्री 7.00 बजे तक

समापन समारोहः—

रविवार 11 जून 2023

प्रातः 11 बजे से दोपहर 1.00 बजे तक

आर्य युवकों के भव्य आकर्षक व्यायाम प्रदर्शन

सुन्दर ऋषि लंगर प्रबंध

आप दोनों दिन आर्य युवा शक्ति का उत्साहवर्धन करने सादर आमंत्रित हैं

—अनिल आर्य, संयोजक

आर्य समाज मयूर विहार फेज 1 व 2 में किया सम्पर्क अभियान

रविवार 7 मई 2023 को परिषद अध्यक्ष अनिल आर्य ने मयूर विहार, नोएडा, सूरजपूर के आर्य समाज में सम्पर्क कर शिविर निमंत्रण दिया।

नोएडा में शिविर तैयारी हेतु श्री धर्मवीर आर्य, चौधरी धर्म वीर आर्य प्रधान, उगता भारत के चेयरमैन श्री देवेन्द्र आर्य व कमल आर्य परिवार का अभिनन्दन करते हुए अनिल आर्य।

महर्षि दयानन्द की 200 वीं जयंती पर 'आर्य महिला संगोष्ठी' सम्पन्न

नारी जाति पर महर्षि दयानन्द के असंख्य उपकार – विमलेश बंसल दर्शनाचार्या

बुधवार 3 मई 2023, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के तत्वावधान में महर्षि दयानन्द सरस्वती जी की 200 वीं जयंती के उपलक्ष्य में 'आर्य महिला संगोष्ठी' का आयोजन ऑनलाइन किया गया। यह करोना काल से 531वाँ वेबिनार था। मुख्य वक्ता वैदिक विदुषी विमलेश बंसल दर्शनाचार्या ने कहा कि नारी जाति पर महर्षि दयानन्द के अनेकों उपकार है जिन्हें गिन पाना अत्यन्त कठिन है। उन्होंने समलैंगिकता के मुद्दे पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सभी अपने परिवारों व बच्चों को कुछ सचेत करें। वैदिक प्रवक्ता अनिता रेलन ने कहा कि वेद शास्त्र पढ़ने का अधिकार स्वामी दयानन्द ने ही दिया। अध्यक्षता कर रही रजनी चुघ ने कहा कि आज महिलाएं हर क्षेत्र में आगे हैं और सम्मान जनक स्थिति में हैं इसका श्रेय स्वामी दयानन्द को ही जाता है। वैदिक विदुषी कल्पना रस्तोगी ने कहा कि नरी आज पढ़ लिखकर आगे बढ़ रही है जो गौरव की बात है। वैदिक विदुषी श्रुति सेतिया ने कहा कि महिलाओं को अपने उच्च आचरण द्वारा अपने सम्मान को गरिमामय रखना चाहिए। राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य के सान्निध्य में प्रतिभा खुराना, जनक अरोड़ा, कमला हंस, उर्मिला आर्य, उषा सूद, सुनीता अरोड़ा आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किए। आर्य युवा नेत्री दीप्ति सपड़ा ने संगोष्ठी का कुशल संचालन किया। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने धन्यवाद ज्ञापन किया और इस तरह के प्रेरणाप्रद कार्यक्रम निरन्तर होते रहने चाहिए।

'राष्ट्रवाद की अवधारणा' पर गोष्ठी सम्पन्न

राष्ट्रवाद ही राष्ट्र की उन्नति का कारक है –अतुल सहगल

भारतीय राष्ट्रवाद पूरे विश्व को परिवार मानता है –ओम सपरा

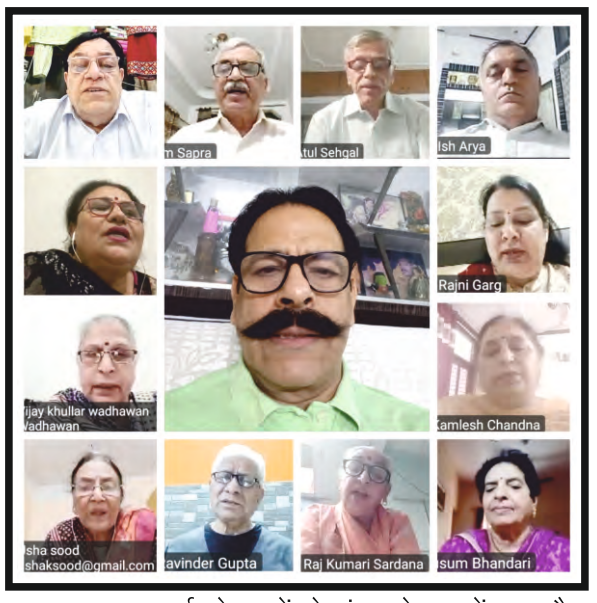

शुक्रवार 5 मई 2023,केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 'राष्ट्रवाद की अवधारणा' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया।यह कोरोना काल से 532 वाँ वेबिनार था। वैदिक प्रवक्ता अतुल सहगल ने कहा कि राष्ट्रवाद ही राष्ट्र की उन्नति का कारक है अतः नयी पीढ़ी में राष्ट्रीयता की भावना का विस्तार करना चाहिए जिससे राष्ट्र की नींव मजबूत हो।उन्होंने भूमिका के रूप में नैसर्गिक देशप्रेम की बात करते हुए प्रसिद्ध कवि रामधारी सिंह दिनकर की कुछ छंद पंक्तियाँ प्रस्तुत कीं और विषय की महत्ता की चर्चा कि यह विषय हर काल में प्रासांगिक है। राष्ट्रवाद पिछली एक शताब्दी की तुलना में आजकल अधिक ज़ोर पकड़ रहा है।राष्ट्रवाद ही राष्ट्र की सर्वांगीण उन्नति का कारक है। समाज में मान्य और साहित्य में अंकित – दोनों प्रकार की राष्ट्रवाद की परिभाषाएं वक्ता ने प्रस्तुत कीं। राष्ट्रवाद एक कठिन विषय है और इसकी धुंधली परिभाषा है। इसके बाद यजुर्वेद के बाईसवें अध्याय के बाईसवें मन्त्र को उद्धृत करते हुए कहा कि राष्ट्र विचारधारा पर टिका है।देश शरीर है और राष्ट्र आत्मा है।इस सन्दर्भ में यजुर्वेद और अथर्ववेद के कुछ मन्त्र प्रस्तुत करते हुए कहा कि राष्ट्रवाद राष्ट्र पर समर्पित जनों की भावना का नाम है।अन्य देशों में राष्ट्रवाद भाषा,पंथ या जाति पर टिका है।परन्तु भारतीय उपमहाद्वीप में सहस्त्रों वर्षों से यह संस्कृत भाषा,वैदिक विचारधारा और मानव धर्म पर ही टिका है।इसी कारण भारत विश्वगुरु बना रहा है।इस सन्दर्भ में पश्चिमी यूरोप के कुछ देशों के उदाहरण दिए।फिर राष्ट्रवाद के निर्माण में सहायक तत्वों की चर्चा की।तत्पश्चात वक्ता ने राष्ट्रवाद के महत्त्व, गुण और लाभ को लेकर अनेक बिंदु प्रस्तुत किये। राष्ट्रवाद में विकृति के कारण और उनके परिणाम की चर्चा की। राष्ट्रवाद कैसा हो? यह शाश्वत मानव धर्म के सूत्रों से बंधा हो।इसमें श्वसुधैव कुटुम्बकमश का भाव हो।राष्ट्र व राष्ट्रवाद की अवधारणा सनातन है और ईश्वर प्रदत्त वेदों से निकली है। हम इस अवधारणा को विकृत न होने दें। हम अपनी विचारधारा को वेद और ऋषि ग्रंथों के अनुरूप रखने में प्रयत्नशील रहें। इसी से शांति,सद्भावना और समृद्धि हमारे देश में और वैश्विक स्तर पर बनी रहेगी। मुख्य वक्ता ओम सपरा (पूर्व मेट्रो पोलेटिन मैजिस्ट्रेट) व अध्यक्ष आर्य नेत्री राज सरदाना ने राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय राष्ट्रवाद की चर्चा करते हुए कहा कि आज पूरा विश्व बहुत निकट आ गया है इसलिए विश्व बंधुत्व की बात होनी चाहिए। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि राष्ट्र ईंट पत्थरों का नाम नहीं है अपितु राष्ट्र के प्रति समर्पण विश्वास व विचार शक्ति का नाम है।राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने धन्यवाद ज्ञापन किया। मुख्य अतिथि श्री ओम सपरा ने कहा कि भारतीय राष्ट्रवाद में वसुधेव कुटुंबकम का उद्घोष पूरे विश्व को एक परिवार मानता है।इस विशाल दृष्टि के कारण भारतीय राष्ट्रवाद संकीर्ण नहीं है अपितु व्यापक है और पूरे विश्व का कल्याण करना अपना उद्देश्य समझता है। गायिका रजनी गर्ग, रचना वर्मा, सुनीता अरोड़ा, सरला बजाज, कमला हंस, उषा सूद, कमलेश चांदना,विजय खुल्लर, रविन्द्र गुप्ता, कुसुम भंडारी आदि के मधुर भजन हुए।

(पृष्ठ 1 का शेष)

भजनोपदेशक राजेश प्रेमी जालंधर, रमेश चंद्र स्नेही,पिंकी आर्या,प्रवीण आर्य(गाजियाबाद) एवं गुरुकुल पौधा के ब्रह्मचारीओं के भजन हुए। मंच का कुशल संचालन कर रहे केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कि अपने बच्चों को अपनी संस्कृति से जोड़ने का आह्वान किया। क्योंकि जमीन से जुड़ा व्यक्ति सुरक्षित रहता है।उन्होंने देश की वर्तमान परिस्थितियों पर चिंता व्यक्त करते हुए आर्य समाज को इसको चुनौती के रूप में स्वीकार करने पर जोर दिया। मुख्य अतिथि गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. रूप किशोर शास्त्री ने आश्रम की गतिविधियों पर प्रसन्नता व्यक्त की।उन्होंने कहा कि वेद के संदेश को घर घर पहुंचाये।वेद प्राचीन वैज्ञानिक ज्ञान है उन्होंने स्वाध्याए करने बुराइयों को छोड़ने पर बल दिया। प्रतिदिन स्वामी चितेशवरा नंद जी ने योग साधना करवायी। आचार्य धनंजय (गुरुकुल पोंधा) ने सकारात्मक विचार बनाने पर बल दिया तभी आप सफलता को प्राप्त करेंगे उन्होंने वेदों की ओर लौटने का भी संदेश दिया। आचार्य उमाशंकर कुलश्रेष्ठ (आगरा) ने कहा कि आज हमारी वैदिक संस्कृति पर चारों ओर से कुठाराघात हो रहे हैं अगर आर्य समाज में शस्त्र और शास्त्र के साथ–साथ कार्यक्रमों को नहीं चलाया तो कल्याण नहीं होगा। बागेश्वर से पधारे आर्य नेता गोबिंद सिंह भंडारी ने कहा जेवर वाले हवाई अड्डे का नाम स्वामी दयानंद के नाम से रखने का प्रस्ताव हम आदरणीय योगी और मोदी को भेजेंगे। डॉक्टर विश्वेंद्र जी ने कहा कि सत्य बोलो धर्म पर चलो स्वाध्याय करो और जीवन को श्रेष्ठ बनाओ। आश्रम के प्रधान विजय कुमार आर्य व मंत्री प्रेम प्रकाश शर्मा ने सभी का आभार व्यक्त किया। वैदिक विद्वान आचार्य आशीष जी दर्शनाचार्य, स्वामी योगेश्वरानंद जी, डॉ. आनंद सुमन सिंह, संतोष शर्मा, प.सूरतराम शर्मा, आचार्य सविता, आचार्य अन्नपूर्णा, मीनाक्षी पवार, रमेश चंद स्नेही, शैलेश मुनि ने भी अपने विचार रखे। इस अवसर पर मुख्य रूप से सर्वश्री विनेश आहूजा, अशोक वर्मा, प्रवीण आर्य, अरुण आर्य, डॉ. विश्वमित्र शास्त्री शत्रुधन मौर्य, सुशील भाटिया, सोनिया संजू, गौरव झा, रूबल सिंह आर्य, राकेश ग्रोवर यमुनानगर, इन्दर जीत आर्य लुधियाना, कांता कम्बोज, इन्दु बाला सिंह देहरादून, कमल आर्य जालन्धर आदि उपस्थित थे।

सम्पादक: **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मंयक प्रिंटर्स**, 2199/63,नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली–5 दूरभाष : 41548503 **मो.:** 9810580474 से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी–176–177, कबीर बस्ती, दिल्ली–7 से प्रकाशित, **प्रबन्धक :** दिनेश आर्य, मोबाइल : 9911587765, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970